घर में पधारो मेरी अम्बे माँ

घर में पधारो मेरी अम्बे माँ
कष्ट निवारो मेरी अम्बे माँ
आओ मेरी माँ. आओ मेरी माँ
आओ मेरी माँ आ भी जाओ मेरी माँ

कब से तेरी राह तकूं आओ मेरी माँ
नैनो कि ये प्यास अब बुझाओ मेरी माँ
बिन तेरे ये घर लागे वीराना
अब तो दुनिया वाले भी मारते ताना
घर में पधारो...

ज़िंदग़ी की डोर मेरी तेरे हवाले
डूब रहा बीच भंवर अब तो बचा ले
तेरे शिवा माँ कोई ना मेरा
चारों तरफ़ा दिखें अब तो अंधेरा
घर में पधारो...

जब भी तेरा नाम लिया काम हुआ माँ
गिरते हुए बालक को थाम लिया मां
तु ममता की दुलार दे दे अपना प्यार।
होगा ना खाली माँ तेरा भंडार
घर में पधारो...

कृपा करो खुशियां भरो दामन में माँ
अपने पावन चरण रखो आँगन में माँ
अमन भक्त ये तेरा पुजारी
निश दिन करे माँ सेवादारी
घर में पधारो मेरी अम्बे माँ
कष्ट निवारों मेरी अम्बे माँ

सिंगर: सुधीर राजपूत
लेखक: सुधीर राजपूत
म्यूज़िक:DN मिश्रा जी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34383/title/ghar-me-padharo-meri-ambe-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |